ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:04.10.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-10-04 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	05/10/2024	06/10/2024	07/10/2024	08/10/2024	09/10/2024
वर्षा (मीमी)	3.0	4.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	25.0	25.0	25.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	14.0	14.0	14.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता(%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रतिघंटा)	3	4	3	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	140	140	140	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	5	3	2	3

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 04-08 अक्टूबर तक 3-4 मिमी की बहुत हल्की वर्षा होने तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.0-26.0 डिग्री सेल्सियस तथा 14.0-15.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा दक्षिण-पूर्व से 3-4 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। 04 और 05 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना है। 06 से 08 अक्टूबर तक शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.40-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। 04.10.2024 से 10.10.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शुष्क मौसम के साथ बहुत हल्की वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	पकने की अवस्था	पकने के चरण के दौरान धन का आम कीट ब्राउन प्लांट हॉपर है जिसके लिए किसानों को ट्राइफ्लूमेज़ोपाइरिम 10 एससी 235 मिली/ फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/ बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्साम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की

		स्थिति में ट्राइफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए। पकी हुई अगेती किस्मों की कटाई करनी चाहिए।
रागी	पकने की अवस्था	बाजरा की देर से पकने वाली किस्मों में फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुंचाता है। इसकी रोकथाम के लिए फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू. पी. 600 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2. 5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। बाजरे की पकी हुई किस्मों की कटाई कर लेनी चाहिए।
मक्का	परिपक्वता	परिपक्व भुट्टों में उचित कृषि उपायों द्वारा पक्षियों के हमलों से बचें। भुट्टों की तुड़ाई तब करनी चाहिए जब वे पीली पत्तियों से ढके हों।
सोयाबीन	फली बनना/ परिपक्वता	पकने वाली दलहनी फसल की तदनुसार कटाई की जानी चाहिए और सूखने के लिए रखा जाना चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फूल/फली बनना	फलियां आने पर खेत सूखा ना रहे इसके लिए हल्की सिंचाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें। फली बेधक कीट के दिखने पर 5 -6 फेरोमोन प्रपंच/हेक्टर की दर से फसल में फूल आते समय खेत में लगाए। यदि 5 -6 मॉथ प्रति प्रपंच दो-तीन दिन लगातार दिखाई दे तो निम्नलिखित में से एक दवा का प्रयोग करे एन. पी. वी 500 सुंडी तुल्यांक अथवा बी. टी. 1 कि. ग्रा./ हैक्टर की दर से छिड़काव करें। निबोली 5 % + 1 % साबुन का घोल तथा इन्डोक्साकार्ब 14. 5 ई. सी. की 353 -400 मि. ली. या इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस. जी. की 220 मि. ग्रा. या स्पाइनोसेड 45 एस. सी. की 125-162 मि. ली. मात्रा प्रति हैक्टर।
तोरिया (लाही/घरिया) एवं पीली सरसों (राई)	बुवाई	घाटियों और निचले इलाकों में चावल की कटाई के बाद और मध्यम और ऊंची पहाड़ियों में दालों और बाजरा की कटाई के बाद, तोरिया और पीली सरसों की फसल सितंबर के अंत और अक्टूबर के पहले पखवाड़े के बीच बोई जानी चाहिए। बुआई के समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 सेमी तथा मेड़ों से 30 सेमी बनाये रखनी चाहिए । बीजों को मेटालेक्सिल 35 डब्लू.एस.4 ग्राम/किलो बीज के दर से उपचारित करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	अंकुरित पौधा /परिपक्वता/वानस्पतिक	अगेती किस्मों की तुड़ाई कर उन्हें उपभोग के लिए बाजार में भेजना चाहिए। मध्य किस्मों में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग की जानी चाहिए और निराई, गुड़ाई और सिंचाई जैसी नियमित प्रथाओं की निगरानी की जानी चाहिए।
मूली/ गाजर	बुआई/अंकुरण	खेत में मिट्टी की नमी बनाये रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण करते रहना चाहिए।
सेम/बाकला	बुवाई	इस माह में बुआई की जा सकती है। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
सिट्रस	फल लगना	यदि सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं।
सेब/आड़ू /नाशपाती/प्लम	फल लगना	संक्रमित और बीमार पत्तियों को नष्ट कर दें तथा गिरी हुई स्वस्थ पत्तियों को इकट्ठा करके खाद बनाने के लिए गड्ढे में रखा जा सकता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	जिन पशुओं में एफ0एम0डी0 (मुखपका खुरपका) रोग के टीके नही लगें है उन पशुओं में तत्काल टीकाकरण करा लें। ताकि आपका पशुधन स्वस्थ रहे और उस से सही उत्पादन प्राप्त हो सके। पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में दें तथा हरे चारे में सूखा चारा मिलाकर दें।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
पोल्ट्री	पोल्ट्री पक्षियों को पशुचिकित्सक की सिफारिश पर कृमिनाशक खुराक दी जानी चाहिए, क्योंकि पोल्ट्री पक्षियों में कृमि अंडे की उत्पादन क्षमता को कम कर देते हैं।